# विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

## शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

**विषय -संस्कृत दिनांक 25-05-2021**

**वर्ग-षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय**

**एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित**

### पञ्चमः पाठः

### प्रथमः पुरुषः (तीनों लिंगों में)

**प्रस्तुत पाठ में हम प्रथम पुरुष के विषय में पडढ़ेगे। प्रथम पुरुष में तीनों लिंगों का प्रयोग किया जाता है। कर्ता संज्ञा या सर्वनाम कोई भी हो सकते हैं।**

| कर्ता | लिंग | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
|---|---|---|---|---|
| संज्ञा | पुल्लिंग<br>स्त्रीलिंग<br>नपुंसकलिंग | नरः<br>बालिका<br>फलम् | नरौ<br>बालिके<br>फले | नराः<br>बालिकाः<br>फलानि |
| सर्वनाम | पुल्लिंग | सः (वह) | तौ (वे दो) | ते ( वे सब |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | स्त्रीलिंग | सा (वह) | ते (वे दोन) | ताः (वे सब) |
| | नपुंसकलिंग | तत् (वह) | ते (वे दोन) | तानि (वे सब) |
| धातु प्रत्यय | तीनों लिंगों में | अति<br>पठ् + अति = पठति | अतः<br>पठ् + अतः = पठतः | अन्ति<br>पठ् + अन्ति = पठन्ति |

क्रिया व कर्ता एक ही पूरूष व वचन के होते हैं।

## प्रथम पुरुष एकवचन

| पुल्लिंग | स्त्रीलिंग | नपुंसकलिंग |
|---|---|---|
| सः चलति। (वह चलता है।) | सा धावति। (वह दौड़ती है।) | तत् पतति। (वह गिरता है।) |
| सः बालः अस्ति। (वह बालक है।) | सा बाला अस्ति। (वह बलिका है।) | तत् पुष्पम् अस्ति। (वह फूल है।) |

| | | |
|---|---|---|
| सः मुकुलः अस्ति। (वह मुकुल है।) | सा सुकृतिः अस्ति। (वह सुकृति है।) | तत् कमलम् अस्ति। (वह कमल है।) |